स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ११४ वि.सं. २०८३ अगहन ०२ गते बुध थारु सम्वत (२६४९) [Wednesday 18 November 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

सुदूरपश्चिममे एक महिनामे २९८ सवारी दुर्घटना, १३ जनहनके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ अगहन । सुदूरपश्चिममे एक महिनामे २९८ सवारी दुर्घटना हुइल बावै । कात्तिक १ गतेसे २९ गतेसम प्रदेशके ९ जिल्लामे २९८ सवारी दुर्घटना हुइल हो । दुर्घटनामे परके १३ जनहनके मृत्यु हुइल बा । दुर्घटनामे परल मध्ये १२ जनहनके घटनास्थलमे ओ उपचारके क्रममे एक जनहनके मृत्यु हुइल हो ।

नेपाल प्रहरी राजमार्ग सुरक्षा तथा ट्राफिक व्यवस्थापन कार्यालय अत्तरियाके तथ्यांकअनुसार दुर्घटनामे परके ४३२ जाने सामान्य घाहिल हुइल बटै ।

दुर्घटना न्यूनीकरण तथा ट्राफिक नियम कार्यान्वयनके लाग प्रहरी टमान अभियान सञ्चालन करटी रहलेसे फेन दुर्घटनाके संख्या उल्लेख्य डेखल बा । राजमार्ग सुरक्षा तथा ट्राफिक व्यवस्थापन कार्यालय अत्तरियाके प्रमुख प्रहरी उपरीक्षक नवराज कार्कीके अनुसार ढेर दुर्घटना हुइना स्थान पहिचान कैके सडकमे राखल सचेतनामूलक बोर्डके मर्मत तथा सुधारके कार्य हुइटी रहल बा । हालसम ८५ स्थानमे अइसीन बोर्डके मर्मत तथा सुधार करल बा कलेसे अन्य जोखिमयुक्त स्थानमे फेन सुधारके लाग सम्बन्धित निकायसँग समन्वय हुइटी रहल बा ।



ओस्टके, धनगढी उपमहानगरपालिकासँगके सहकार्यमे पैदल यात्रुके डगरा कट्ना सहजताके लाग जेब्राक्रस निर्माण तथा सुधार कार्ययोजना तयार कैके कार्यान्वयनमे लानल बा । धनगढी-अत्तरियासे ६ लेन सडक खण्डमा लेन अनुशासन कायम कैना फेन टमान सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन करल कार्की बटैलै ।

ट्राफिक नियम उल्लंघन करुइयाहे कारबाही कैना क्रममे कात्तिक १ से २९ गतेसम ३ हजार ३९२ सवारीसाधनके चालकहे कारबाही करल बा । ओइनठनसे २८ लाख ७४ हजार रुपैयाँ राजस्व संकलन हुइल बा । ओस्टके, मादक पदार्थ सेवन कैके सवारी चलुइया ४३२ जाने चालकहे कारबाही कैके २ लाख ४५ हजार ५०० रुपैयाँ जरिवाना करल बा ।

सडक दुर्घटना न्यूनीकरणके लाग प्रहरीसे चालक, सहचालक, व्यवसायी, विद्यार्थी तथा अन्य सडक प्रयोगकतहि लक्षित कैके ८४० चो ट्राफिक सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन करल जनाइल बा । उ कार्यक्रमसे ७६ हजार ६१९ जाने लाभान्वित हुइल बटै । ओस्टके, सार्वजनिक यातायातके सवारीसाधनमे क्षमतासे ढेर यात्रु बोकुइया दुईठो सवारीसाधनहे कारबाहीके लाग यातायात व्यवस्था कार्यालय पठाइल बा । तीनपाङ्गे सवारीसाधनके अव्यवस्थित पार्किङ व्यवस्थापनके लाग फेन स्थानीय तह ओ व्यवसायीसँग समन्वय करल कार्यालय जनैले बा ।

प्रहरीसे ट्राफिक व्यवस्थापनके लागा सडक डिभिजन कार्यालय डोटी ओ डिभिजन सडक कार्यालय दिपायलके समन्वयमे ३५ थान ट्राफिक कोन ओ २० थान कनेक्टरसमेत प्राप्त करल बा । ट्राफिक नियम उल्लंघन, मादक पदार्थ सेवन कैके सवारी चलुइया प्रवृत्ति ओ सडक सुरक्षाप्रति पर्याप्त सचेतना नैहोके दुर्घटना न्यूनीकरण चुनौतीपूर्ण बनल डेखजाइठ् ।

छ लाखके फूला बिक्री

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ अगहन । एक दशकसे फूला खेतीमे रमाइटी आइलके कैलालीके पुष्प कृषक सीताराम चौधरीसे डेवारीमे किल छ लाख रुप्यासे ढेरके फूला बिक्री करके मजा आम्दानी करले बटै ।

टीकापुर नगरपालिका-१, वनगाउँमे फूल खेती करटी आइलके उहाँसे स्थानीयस्तरमे छ लाख २६ हजार रुपयाँ बराबरके फूल बिक्री करल होरु। प्रतिकेजी चार सय रुप्याँके दरसे १५ क्विन्टल ६५ केजी फूल बेचेके उहाँसे बटैलै । "सयपत्री फूला स्थानीयके घरमेफे तयार हुइल इ बेर फूला महँगो नै रहे," चौधरी कहलै, "गैल वर्षके तुलनामे इ डवारीमे ढेर परिमाणमे फूला बिक्री करली ।"

बेसिजन फूला खेतीसमेत करटी आइलके चौधरीसे अफसिजनके बेला फे प्रतिकेजी एक हजार रुप्याँसममे सयपत्री बिक्री करल रहे । डेवारीके बेला भर फूला सस्ता हुइलफे मजा परिमाणमे बिक्री हुइलके उहाँके कहाइ बा । उहाँसे टीकापुर, लम्कीचुहा नगरपालिकाके स्थानीय मागहे धान्न करके फूला उत्पादन करल रहिट मने डेवारीके लग खरिद कैना डुर डुरसेफे मनै आइल चौधरीके कहाइ बा । *(बाँकी २ पेजमे)*

महिला हिंसा अन्त्य गरौं

- महिला माथि हुने सबै प्रकारको हिंसा कानुनी अपराध हो,
- कुनै प्रकारको हिंसा भएमा उजागर गरौं,
- महिला अधिकार र सम्मानको संरक्षणमा सबै जिम्मेवार बनौं,
- सहयोगका लागि महिला हेल्पलाइन नं. ११४५ वा सम्बन्धित निकायमा सम्पर्क गरौं।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

गन्ना किसानहे मूल्यके चिन्ता

कञ्चनपुर, १ अगहन । कञ्चनपुरके गन्ना (खुभ्री) किसानहे इ बेला गन्ना बिक्री कैना समय लच्क्यइटी रहल बेला उचित मूल्य मिलठ् वा नै कहिके चिन्ता बहल बा । गन्ना क्रसिङके सिजन सुरु हुइना समय हुइलसँगे किसान गन्ना काटके चिनी मिलसम पुगैना तयारीमे जुटल बटै मने गन्नाके मूल्य निर्धारणमे अन्योल कायम रहेबर किसान चिन्तित बनल हुइट ।

गत बरसके तुलनामे इ बरस डिजेल तथा पेट्रोलके मूल्य बहल ओरसे खेतीपातीके लागत खर्चसमेत वृद्धि हुइल किसानके कहाइ रहल बा । ओम्ने फेन समयमे रासायनिक मल उपलब्ध नैहोके गन्ना उत्पादनमे समेत कमी अइना डेखल बा । बहल उत्पादन लागत ओ घट्टी उत्पादकत्वके कारण गत बरसके मूल्यमे गन्ना बिक्री करे परल किसानहे घाटा हुइना अवस्था रहल गन्ना उत्पादक हकहित संरक्षण समितिके अध्यक्ष हरि चन्द ठकुरी बटैलै ।

उहाँके अनुसार गन्नाके मूल्य सरकारसे निर्धारण कैना हुइल ओरसे किसान अब्बे नयाँ मूल्यके प्रतीक्षामे रहल बटै । गन्ना खरिद कैना चिनी उद्योग, किसानके प्रतिनिधि ओ सरकारबिच मूल्य निर्धारणके विषयमे छलफल हुइलेसे फेन हालसम ठोस निष्कर्ष निकरे सेकल नैहो । किसानके उत्पादन लागतहे आधार मानके गन्नाके मूल्य निर्धारण करे पर्ना उहाँके माग रहल बा । लागतके हिसाबसे आठ सय रुपियाँ प्रतिक्विन्टल मूल्य टोके पर्ना किसानके माग रहल बा ।

बेलौरी नगरपालिका-६ के किसान दिनेश चौधरी खेतीमे हुइल लगानी ओ बहल लागतहे ध्यान डेके सरकारसे इ बरस गन्नाके मूल्य निर्धारण करे पर्ना बटैलै । किसान ढेर रकम खर्च करे पर्ना हुइल ओरसे उचित मूल्य नैपाइल गन्ना खेतीसे अपेक्षित आम्दानी करे नैसेकल उहाँके कहाइ रहल बा ।

कञ्चनपुरमे वार्षिक करिब १२ हजार सात सय हेक्टर क्षेत्रफलमे गन्ना खेती हुइटी आइल बा । गैल बरस जिल्लामे करिब ४३ लाख क्विन्टल उखु उत्पादन हुइल रहे । इ बरस जिल्लामे करिब ४० लाख क्विन्टल गन्ना उत्पादन हुइना अनुमान करल अध्यक्ष ठकुरी बटैलै ।

गत बरस सरकारसे गन्नाके प्रतिक्विन्टल मूल्य ६९० रुपियाँ निर्धारण करल रहे । उक्त मूल्यमा चिनी उद्योगसे किसानसे प्रतिक्विन्टल ६२० रुपियाँके दरसे गन्ना खरिद करल रहे कलेसे बाँकी ७० रुपियाँ सरकारसे अनुदान स्वरूप उपलब्ध कराइल रहे । गत वर्ष कञ्चनपुरके गन्ना किसान गन्ना बिक्रीबापत सरकारी अनुदान करिब २८ करोड रुपियाँ प्राप्त करल रहिट ।

जिल्लाके दक्षिणी क्षेत्रके अधिकांश किसानके मुख्य आम्दानीके स्रोत गन्ना खेती नै होरु। विशेष कैके बेलौरी, बेलडाँडी, पुनर्वास ओ लालझाडी क्षेत्रके किसान व्यावसायिक रूपमे गन्ना खेती कैटी आइल बटै । अब्बे दोधाराचाँदनी, वेदकोट ओ शुक्लाफाँटा नगरपालिका क्षेत्रमे गन्ना खेती विस्तार करल बा ।



स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

छानबिन ओ लावा नियुक्तिके उल्झनसे उपलब्धि गुम्ना डर, गेटामे दिनहुँ खबरदारी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ अगहन । कैलालीके गेटास्थित शहीद दशरथ चन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय सञ्चालनमे अन्योल देखलपाछे तत्काल चिकित्सा शिक्षा अध्यापन सुरु कैना माग करटी दिनहुँ दबाबमूलक कार्यक्रम हुइना सुरु हुइल बटै ।

सरकारसे विश्वविद्यालयके शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन अनुमति ओ सिट निर्धारण प्रक्रियाबारे छानबिन कैना ओ लावा पदाधिकारी नियुक्त करना सहमति गरेपाछे विश्वविद्यालय सञ्चालन थप प्रभावित हुइना आशंके बहल हो ।

विश्वविद्यालय स्थापनार्थ गठित संघर्ष समितिसे कुछफे बहानामे शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन रोक्न नैहुइना कना दैनिक दबाबमूलक कार्यक्रम करटी आइल बा । समितिसे तत्काल चिकित्सा शिक्षा अध्यापन सुरु कैना ओ विश्वविद्यालयमे ६०० शय्याके अस्पताल सञ्चालन कैना माग करल बा ।

संघर्ष समितिके संयोजक लोकराज पाण्डे विश्वविद्यालय सञ्चालनमे ढिलाइ नैकरना सरकारहे दबाब दिन कार्यक्रम जारी राखलके बटैलै । उहाँके अनुसार चिकित्सा शिक्षा अध्यापन सुरु कैना ओ ६०० शय्याके अस्पताल सञ्चालन कैना माग समितिके प्रमुख एजेन्डा हो ।

विश्वविद्यालयमे चिकित्सा शिक्षा आयोगसे चारठो शैक्षिक कार्यक्रममे ९० सिट निर्धारण करटीसेकल बा । मने, शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालनके अनुमति ओ सिट निर्धारण प्रक्रियाउप्पर छानबिन कैना सहमति सरकारसे डा. गोविन्द केसीसँगे करलपाछे विश्वविद्यालयके शैक्षिक गतिविधि अन्योलमे परल बा ।

सरकार ओ डा. केसीबीच हुइलके सहमतिमे विश्वविद्यालयहे शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालनके अनुमति डेहल आवश्यक मापदण्ड पूरा हुइल नैहुइलके ओ निर्णय प्रक्रियामे स्वार्थ बाझलके विषयमे छानबिन कैना उल्लेख बा । ओकरके लग प्रा.डा. रमेशप्रसाद आचार्यके संयोजकत्वमे पाँच सदस्यीय छानबिन समिति गठन करल बा ।

छानबिनके क्रममे मापदण्ड पूरा नैकरके अनुमति डेहल वा स्वार्थकेन्द्रित निर्णय हुइलके पाइलमे ओम्मे संलग्न चिकित्सा शिक्षा आयोग ओ विश्वविद्यालयके पदाधिकारीहे कारबाही कैना सहमतिमे उल्लेख बा । ओस्टेक, विश्वविद्यालय ऐन संशोधन करके पदाधिकारीके योग्यता ओ नियुक्तिसम्बन्धी व्यवस्था परिवर्तन कैना ओ मन्त्रिपरिषद्से अध्यादेश जारी करके लावा पदाधिकारी नियुक्त कैना सहमतिफे हुइल बा ।

मने, शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालनके लग सिट निर्धारण हुइसेकलके अवस्थामे छानबिन ओ पदाधिकारी नियुक्तिके विषय आघे सारके पढाइ सुरु कैना प्रक्रिया थप लम्बैना आशंके संघर्ष समितिके बा । समितिके सदस्य विनोद बिष्टसे सञ्चालनके तयारी आघे बहलपर्ना बेला लावा प्रक्रियासे विश्वविद्यालयके भविष्य अन्योलमे परे सेक्ना चिन्ता व्यक्त करलै ।

विश्वविद्यालय सञ्चालनके आधार तयार हुइटीसेकलके अवस्थामे फेरि छानबिन ओ पदाधिकारी नियुक्तिके प्रक्रियामे अल्झैना नैहुइना संघर्ष समितिके माग बा । तत्काल अध्यापन सुरु करके अस्पताल सञ्चालनके प्रक्रिया आघे नैबहल दबाबमूलक कार्यक्रमहे निरन्तरता डेना समितिसे जनैले बा ।

छ लाखके...

डेवारीमे फूला बिक्री करके आकर्षक आम्दानी करल चौधरीके बगैंचामे पुनः डवारीके बेला जस्ते फूला फुलसेकल बा । अब अगहनमे हुइना विवाहके लग फूलाके माग आइटीरहलके उहाँसे जानकारी डेलै । चौधरीके अनुसार पाँच क्विन्टल फूलाके माग धनगढीसे छठपूजाके लगफे आइल रहे मने मूल्य नैमिलल फूला बारीमे बा । डेवारीमे किल फूलाके महत्व नै हो । विवाहलगायतके अन्य कार्यक्रमके लग फूला माग हुइटीरहठ रु। टबमरे फूलाके उचित मूल्य पाइल किल बिक्री हुइना बा ।

अन्तरिक्ष नीतिके बहस

विचार
ई. प्रशान्तकुमार मोदक

आधुनिक विश्वमे अन्तरिक्ष प्रविधि वैज्ञानिक अनुसन्धान ओ राष्ट्रिय प्रतिष्ठामे किल सीमित नैहो । यी राष्ट्रिय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सञ्चार, विपत् व्यवस्थापन, वातावरण संरक्षण ओ डिजिटल अर्थतन्त्रके महत्वपूर्ण आधार बन्टि गैल बा । समुद्रसँग प्रत्यक्ष पहुँच नैरहल भूपरिवेष्टित राष्ट्र नेपालके लाग अन्तरिक्ष प्रविधि भौगोलिक विकटता सम्बोधन करना, दुर्गम क्षेत्रमे सेवा विस्तार करना ओ राष्ट्रिय प्राविधिक क्षमता विकास करना माध्यम बने सेकि ।

नेपालके हिमाली तथा पहाडी भूगोल, प्राकृतिक विपत्के जोखिम ओ पूर्वाधार विकासके चुनौतीहे हेरलेसे यकर रणनीतिक महत्व स्पष्ट हुइठ । भूकम्प, बाढपहिरो, हिमताल विस्फोटन, वन डढेलो ओ जलवायु परिवर्तनके अनुगमनमे भूउपग्रहसे प्राप्त तथ्यांक उपयोगी रहठ । कृषि उत्पादन, वन तथा जलस्रोत संरक्षण, मौसम पूर्वानुमान, सहरी विकास ओ भूउपयोग परिवर्तनके अध्ययनमे फेन यिहिनसे योगदान पुगाइ सेकि । दुर्गम क्षेत्रमे सञ्चार सेवा विस्तार करना भूउपग्रहमे आधारित प्रविधि वैकल्पिक माध्यम बने सेकि । यद्यपि प्रविधि छनोट करेबेर यकर लागत, क्षमता, विश्वसनीयता ओ सञ्चालन खर्चके मूल्यांकन आवश्यक रहठ ।

यी सम्भावनाहे राष्ट्रिय प्राथमिकतासँग जोरना स्पष्ट नीति, जिम्मेवार संस्थागत संरचना, दक्ष जनशक्ति, दीर्घकालीन लगानी ओ निजी क्षेत्रके सहभागिता आवश्यक बा । ओस्टेक नेपालके अन्तरिक्ष विकाससम्बन्धी प्रस्तावित नीति बहसके केन्द्रमे एक आधारभूत प्रश्न ढरे परठ उ त्यो हो, अन्तरिक्ष क्षेत्रहे दिशा डेना, समन्वय करना ओ नेतृत्व प्रदान करना सर्वोच्च राष्ट्रिय निकायके रूपमे नेपाल अन्तरिक्ष एजेन्सी काहे ओ कैसिक स्थापना करना ?

वर्तमान अवस्था

नेपाल अन्तरिक्ष प्रविधिके उपयोगमे प्रारम्भिक कदम चालसेकल बा । सञ्चार, मौसम, विपत् व्यवस्थापन, नक्सांकन ओ वातावरणीय अनुगमनमे भूउपग्रह तथ्यांक प्रयोग हुइटि आइल बा । सन् २०१९ मे पहिल नेपाली भूउपग्रह 'नेपालीस्याट-१' अन्तरिक्षमे पठैना विद्यार्थी तथा अनुसन्धानकर्ताके प्राविधिक क्षमता विकासके लाग महत्वपूर्ण सुरुवात रहे । मने एक भूउपग्रह अन्तरिक्षमे पठैना किल पूर्ण अन्तरिक्ष क्षमता नाइहो । दीर्घकालीन विकासके लाग भूउपग्रह डिजाइन, तथ्यांक प्रशोधन, सञ्चार प्रणाली, कक्षीय सञ्चालन, अन्तरिक्ष कानुन ओ व्यावसायिक उपयोगमे समेत क्षमता विकास करे परठ ।

नेपाल सुरुवातमे सब प्रविधि अप्नही विकास करना लक्ष्य ढरनासे राष्ट्रिय आवश्यकता अनुसार प्राथमिकता निर्धारण करना उपयुक्त रहठ । विपत् व्यवस्थापनके लाग भूउपग्रह तथ्यांकके पहुँच ओ विश्लेषण क्षमता बढैना, कृषि तथा वन क्षेत्रमे पृथ्वी अवलोकन प्रविधि प्रयोग करना, विश्वविद्यालयमे अन्तरिक्ष इन्जिनियरिङ अनुसन्धान प्रोत्साहन करना ओ अन्तर्राष्ट्रिय साझेदारीसे छोट भूउपग्रह विकास करना कार्यसे आघे बह्नसे सेकि । नेपालके अन्तरिक्षसम्बन्धी गतिविधिमे सरकारी निकाय, विश्वविद्यालय, अनुसन्धान संस्था ओ निजी क्षेत्रके सहभागिता आवश्यक रहठ मने यी प्रयासहे साझा राष्ट्रिय उद्देश्यसँग जोरना, प्राथमिकता निर्धारण करना ओ दीर्घकालीन योजनाके अनुगमन करना संस्थागत नेतृत्व अपरिहार्य बा । यकर उद्देश्य औरे प्रशासनिक संरचना थप्न किल नैहुइ परठ । विद्यमान संस्थाके काम दोहोरे नैडेना समन्वय करना, स्रोतसाधनके प्रभावकारी उपयोग सुनिश्चित करना ओ राष्ट्रिय कार्यक्रमहे परिणाममुखी बनैना जिम्मेवारी यिहिनसे लेहे परठ ।

> नेपालसे उपलब्ध स्रोतसाधन ओ प्राविधिक क्षमता अनुसार तीन चरणमे अन्तरिक्ष कार्यक्रम आघे बह्ने सेकि । पहिल चरणमे राष्ट्रिय नीति निर्माण, विद्यमान क्षमताके मूल्यांकन, संस्थागत जिम्मेवारी निर्धारण ओ विपत् व्यवस्थापन, कृषि, वन तथा वातावरणीय अनुगमन जैसिन क्षेत्रमे तत्काल लाभ डेना परियोजनाहे प्राथमिकता डेहे परठ । विश्वविद्यालयमे अन्तरिक्ष इन्जिनियरिङ तथा रकेट विज्ञानसम्बन्धी अनुसन्धानके अवसर पहिचान करे परठ । दोसर चरणमे विश्वविद्यालय, सरकारी निकाय ओ निजी क्षेत्रबिच अनुसन्धान साझेदारी विस्तार करटि भूउपग्रह तथ्यांक विश्लेषण, छोट भूउपग्रह, सञ्चार प्रविधि, रकेट प्रणोदन ओ परीक्षण प्रणालीसम्बन्धी पूर्वाधार विकास करे सेक्जइ । अन्तर्राष्ट्रिय सहकार्यहे ज्ञान हस्तान्तरण ओ जनशक्ति विकाससँग जोरे परठ । तेसर चरणमे राष्ट्रिय आवश्यकतासे औचित्य पुष्टि करल जटिल प्रविधि तथा परियोजनामे लगानी विस्तार करे सेक्जाइ ।

नेपाल अन्तरिक्ष एजेन्सीके प्रमुख जिम्मेवारीमे राष्ट्रिय अन्तरिक्ष नीति तथा रणनीति निर्माण, सरकारी निकायबिच समन्वय, अनुसन्धान तथा प्रविधि विकासके प्रवर्धन, अन्तर्राष्ट्रिय सहकार्य ओ नियमनसम्बन्धी समन्वय समावेश हुइ सेकि । यिहिनसे भूउपग्रह प्रणाली, अन्तरिक्ष सञ्चार, तथ्यांक विश्लेषण, रकेट प्रणोदन तथा प्रक्षेपण प्रविधिमे स्वदेशी क्षमता विकास करना चरणबद्ध कार्यक्रम आघे बहे सेकि । रकेटसम्बन्धी अनुसन्धान सुरक्षित प्रयोगशाला परीक्षण, सामग्री अध्ययन, सैद्धान्तिक विश्लेषण ओ परीक्षण प्रणालीके विकासमे केन्द्रित हुइ परठ ।

प्रस्तावित संरचना

नेपाल अन्तरिक्ष एजेन्सीके संरचना सरल, कार्यमुखी ओ उत्तरदायी हुइ परठ । प्रारम्भिक चरणमे सीमित स्रोतसाधनभित्रे प्रभावकारी काम करे सेक्ना संरचना उपयुक्त रहठ ।

नीति तथा रणनीति निर्माण : राष्ट्रिय अन्तरिक्ष नीति तयार करना, दीर्घकालीन लक्ष्य निर्धारण करना, प्राथमिकताके कार्यक्रम छनोट करना ओ बजेट तथा कार्ययोजनाबिच समन्वय करना ।

अनुसन्धान तथा प्रविधि विकास : विश्वविद्यालय तथा अनुसन्धान संस्थासँग सहकार्य करटि भूउपग्रह, अन्तरिक्ष प्रणाली, रकेट प्रणोदन, प्रक्षेपण प्रविधिके आधारभूत अनुसन्धान, भूउपग्रह सञ्चार ओ सम्बन्धित प्रविधिमा अनुसन्धानहे प्रोत्साहन करना ।

भूउपग्रह तथ्यांक तथा अनुप्रयोग: विपत् व्यवस्थापन, कृषि, वन, जलस्रोत, वातावरण, सहरी योजना ओ मौसमसम्बन्धी सेवाके लाग आवश्यक तथ्यांकके पहुँच, विश्लेषण ओ उपयोग बहैना ।

नियमन, सुरक्षा तथा अन्तर्राष्ट्रिय सहकार्य : अन्तरिक्ष गतिविधिसम्बन्धी कानुनी तथा प्राविधिक मापदण्ड विकास करना सहयोग करना, अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि तथा दायित्वके पालना सुनिश्चित करना सम्बन्धित निकायसँग समन्वय करना ओ अन्तर्राष्ट्रिय साझेदारी विस्तार करना ।

जनशक्ति तथा नवप्रवर्तन : विश्वविद्यालय, प्राविधिक शिक्षालय, अनुसन्धान संस्था, नवप्रवर्तन केन्द्र ओ निजी क्षेत्रसँग सहकार्य कैके दक्ष जनशक्ति उत्पादन करना तथा नयाँ प्रविधि ओ व्यावसायिक पहलहे प्रोत्साहन करना । यी एजेन्सीसे सब अनुसन्धान अप्नही सञ्चालन करे परठ कना नैहो । बरु विश्वविद्यालय, सरकारी निकाय ओ निजी क्षेत्रहे साझा लक्ष्य अन्तर्गत परिचालन करना तथा परियोजनाके गुणस्तर अनुगमन करना भूमिका ढेर प्रभावकारी हुइ सेकि ।

अन्तर्राष्ट्रिय अभ्यास

भारतके भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठनसे भूउपग्रह, प्रक्षेपण प्रणाली, सञ्चार ओ पृथ्वी अवलोकनमे दीर्घकालीन क्षमता विकास करले बा । यिहिनसे राष्ट्रिय आवश्यकतामे आधारित कार्यक्रम, स्वदेशी प्राविधिक दक्षता ओ क्रमिक प्रविधि विकासके महत्व सिखे सेकि । नेपाल भारतसँग अनुसन्धान, प्राविधिक तालिम ओ विश्वविद्यालयस्तरीय साझेदारी विस्तार करे सेकि ।

युरोपेली अन्तरिक्ष एजेन्सीसे टमान राष्ट्रका स्रोत ओ अनुसन्धान क्षमताहे साझा कार्यक्रममार्फत जोरले बा । यिहिनसे सीमित स्रोत रहल राष्ट्रके लाग क्षेत्रीय सहकार्य ओ संयुक्त लगानीके महत्व देखाइठ । संयुक्त राज्य अमेरिकामे राष्ट्रिय वैज्ञानिक तथा अन्तरिक्ष प्रशासनसे अनुसन्धान ओ अन्वेषणमे नेतृत्व करेबेर निजी कम्पनीसे प्रक्षेपण तथा अन्य सेवामे महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करले बा । चीनके बेइदोउ दिशा निर्धारण प्रणाली फेन अन्तरिक्ष प्रविधिके रणनीतिक तथा आर्थिक महत्व देखाइठ । नेपाल यी अभ्याससे देशीय आधारमे आगे बहे सेकि ।

निजी क्षेत्रके भूमिका

अन्तरिक्ष प्रविधिहे सरकारी अनुसन्धानमे किल सीमित ढैके यकर आर्थिक सम्भावनाके पूर्ण उपयोग हुइ नैसेकि । भूउपग्रह तथ्यांक विश्लेषण, कृषि अनुगमन, वन व्यवस्थापन, भौगोलिक सूचना प्रणाली, विपत् जोखिम मूल्यांकन ओ सञ्चार सेवामे निजी क्षेत्रसे नयाँ व्यावसायिक अवसर विकास करे सेकि । नेपाल अन्तरिक्ष एजेन्सीसे अनुसन्धान अनुदान, नवप्रवर्तन कार्यक्रम, विश्वविद्यालय-उद्योग सहकार्य ओ प्रविधि साझेदारीहे प्रोत्साहन करे सेकि । रकेट तथा अन्तरिक्ष प्रणालीके लाग आवश्यक संरचनात्मक सामग्री, इलेक्ट्रोनिक उपकरण, सेन्सर, नियन्त्रण प्रणाली ओ परीक्षण उपकरण जैसिन क्षेत्रमे नेपाली उद्यमसे क्षमता विकास करे सेकि । यिहिनसे रोजगारी सिर्जना ओ स्वदेशी प्रविधि उद्योगके विकासमे सहयोग पुगाइठ ।

कानुनी आधार ओ जनशक्ति

अन्तरिक्ष कार्यक्रमके दीर्घकालीन सफलता दक्ष जनशक्तिमे निर्भर रहठ । भूउपग्रह डिजाइन तथा सञ्चालनसँगे अन्तरिक्ष विज्ञान, सञ्चार, तथ्यांक विश्लेषण, नियन्त्रण प्रणाली, कृत्रिम बौद्धिकता ओ अन्तरिक्ष कानुनमे दक्षता आवश्यक रहठ । *(बाँकी ३ पेजमे)*

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर
दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेके ।
सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलठध बा ।
नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनः ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

"लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार"

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजकः

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लगे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८४८४३७०१८, ९८१४६०८०४६, ९८१४६८०००६८, ९८१४६६०३८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-४४०१३२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२४७१
ईप्रका लम्की ०९१-४४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-४८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-४२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-४४०१३२
ईप्रका फल्दुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-४२९१४४
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०४
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-४६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-४१३२२
नवजिवन बैक ०९१-४२३६४३
कृषि विकास बैक ०९१-४२९२३४
मालिका विकास बैक०९१-४२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-४२४६४०
नेपाल बंगलादेश बैक ०९१-४२१७८४
सिटिजन बैक ०९१-४२७४८४
कुमारी बैक ०९१-४२६०३८
सनराईज बैक ०९१-४२४८४०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-४२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-४२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२११०१
जिल्ला विकास .०९१-४३२४६०
नगरपालीका .०९१-४२१४२९
मालपोत.०९१-४२१२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२२२४४, भूमि सुधार.०९१-४२१२३४
जिल्ला हुलाक.०९१-४२११४३, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६४

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२१२७१
नवजिवन ०९१- ४२१२३३/४२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४
पद्मा धनगढी ०९१-४४०३४४
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-४४०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२१२३७, ४२३९७१
एम्बुलेन्स : ४२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८४४७४४०
विद्युत : ४२११४४
दिनेश मेटल ०९१-४२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-४२३९१८/४२४९३१
जगदम्बा०९१-४२३४९०, विद्या०९१-४२३२७३
तरुण ०९१-४२४६९३, सनलाईट०९१-४२१४३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१
ज्ञानुप्लाजा०९१-४२२८३०/४२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४११४
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-४२१२४२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१

सुदूरपश्चिममे बैंकके लगानी तराई केन्द्रित, पहाडमे कर्जा पहुँच कमजोर

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ अगहन । सुदूरपश्चिममे बैंक ओ वित्तीय संस्थासे प्रवाह हुइना कर्जाके भारी हिस्सा कैलाली ओ कञ्चनपुरमे सीमित हुइना करल पाइल बा । नेपाल राष्ट्र बैंकसे करल आर्थिक गतिविधि अध्ययन प्रतिवेदनअनुसार सुदूरपश्चिममे बैंक ओ वित्तीय संस्थासे प्रवाह करल कुल कर्जाके ६८.३७ प्रतिशत कैलालीमे किल केन्द्रित बा ।

लगानी तराई केन्द्रित हुइटी ओस्टेक दुर्गम हिमाली जिल्ला बाजुरामे कुल कर्जाके ०.९७ प्रतिशत किल प्रवाह हुइल बा । प्रदेशभर बैंक ओ वित्तीय संस्थासे एक खर्ब ६३ अर्ब ४१ करोड रुप्याँ कर्जा लगानी करल बटै ।

गत आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे असिन लगानी आघेक वर्षके तुलनामे ३.८२ प्रतिशतसे बह्ल हो । उहे अवधिमे बैंक ओ वित्तीय संस्थासे दुई खर्ब ६ अर्ब नौ करोड रुप्याँ निक्षेप संकलन करल बटै । निक्षेप संकलनमे भर आघे वर्षके तुलनामे १८.५६ प्रतिशत वृद्धि हुइलके प्रतिवेदनमे उल्लेख बा ।

कुल निक्षेपमध्ये कैलालीसे किल ९९ अर्ब ९८ करोड रुप्याँ संकलन हुइल बा । इ प्रदेशके कुल निक्षेपके ४८.५० प्रतिशत हो । कञ्चनपुरमे कुल निक्षेपके २२.७७ प्रतिशत संकलन हुइल बा । प्रतिवेदनसे कर्जा प्रवाह ओ निक्षेप संकलनके तथ्यांकसे प्रदेशभिटर वित्तीय स्रोतके वितरण असमान रहल बटैले बा ।



ओस्टेक, प्रदेशभर प्रवाह हुइल कर्जामध्ये कञ्चनपुरके हिस्सा १९.९२ प्रतिशत बा । बाँकी सात पहाडी जिल्लामे कर्जा प्रवाहके हिस्सा १२ प्रतिशतसे कम रहल राष्ट्र बैंकके तथ्यांक बा । बाजुरामे निक्षेप संकलनके हिस्साफे २.६४ प्रतिशत किल बा ।

सुदूरपश्चिमके नौ जिल्लामे बैंक ओ वित्तीय संस्थाके ८४४ शाखा सञ्चालनमे बटै । उ मध्ये वाणिज्य बैंकके ३३३, विकास बैंकके ५१, वित्त कम्पनीके ६ ओ लघुवित्त वित्तीय संस्थाके ४५४ शाखा बटै ।

मने शाखा विस्तारके अवस्थाफे सक्कु जिल्लामे समान नै हो । कैलालीमे ३५० ओ कञ्चनपुरमे १८३ शाखा सञ्चालनमे बटै । इ दुई जिल्लामे किल प्रदेशके कुल शाखामध्ये आधासे बह्ल बटै । सबसे कम शाखा बाजुरामे २७ ठो बटै ।

शाखाके संख्या, निक्षेप संकलन ओ कर्जा प्रवाहके अवस्थासे पहाडी जिल्लामे बैंकिङ पहुँच ओ लगानीके अवसर अभिन सीमित रहलके डेखल बा ।

नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ सुदूरपश्चिमके अध्यक्ष पुष्पराज कुँवरसे पहाडी क्षेत्रमे कर्जा प्रवाह कम हुइनाके एक प्रमुख कारण धितोसम्बन्धी समस्या हुइल बटैलै । पहाडी जिल्लामे जग्गाके लालपुर्जा हुइलफे बैंक ओ वित्तीय संस्थासे उहिनहे सहज धितोके रूपमे स्वीकार नैकरना समस्या रहलके उहाँ बटैलै । 'पहाडी जिल्लामे कुछ व्यवसाय ओ उद्यम करना चाहलफे सहज ऋण पाइना अवस्था नै हो । बैंकहे पहाडके जग्गा धितो ढारलसे तराईके जग्गा खोज्ना करल बटै,' उहाँ कहाइ ।

उहाँके अनुसार कृषि, पर्यटन, जलविद्युत्लगायत क्षेत्रमे परियोजनाके सम्भाव्यता ओ आम्दानीके आधारमे कर्जा उपलब्ध करेसके पहाडी जिल्लामेफे आर्थिक गतिविधि बह्ने सेकल बा ।

राष्ट्र बैंकके प्रतिवेदनसे सुदूरपश्चिममे बैंक ओ वित्तीय संस्थाके लगानी उत्पादनमूलक क्षेत्रसे अन्य क्षेत्रमे ढेर केन्द्रित रहलके डेखल बा । कुल कर्जामध्ये औद्योगिक क्षेत्रमे १६.९६ प्रतिशत किल लगानी हुइल बा ।

गिल असार मसान्तसम उद्योग क्षेत्रमे २७ अर्ब ७१ करोड रुप्याँ कर्जा प्रवाह हुइल बा । आघे वर्षके तुलनामे औद्योगिक कर्जा ३.७२ प्रतिशतसे किल बह्ल हो । औद्योगिक कर्जामध्ये कृषि, वन ओ पेय पदार्थ उत्पादनसम्बन्धी उद्योगसे ४०.२३ प्रतिशत हिस्सा ओग्टल बटै । मने समग्र कृषि क्षेत्रमे प्रवाह हुइना कर्जा भर लगातार घटलरहल बा ।

प्रतिवेदनअनुसार गत आर्थिक वर्षमे कृषि कर्जा आघे वर्षके तुलनामे २.१३ प्रतिशतसे घटल बा । एकरआघे आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मे फे कृषि कर्जा ३.४१ प्रतिशतसे घटेल रहे ।

गिल असार मसान्तसम कृषि क्षेत्रमे १५ अर्ब ६२ करोड रुप्याँ कर्जा प्रवाह हुइल बा । इ कुल कर्जाके ९.५६ प्रतिशत हो । कृषि कर्जाके ८८ प्रतिशत हिस्सा कैलाली ओ कञ्चनपुरमे किल सीमित बा ।

औद्योगिक लगानीके वितरणफे तराई केन्द्रित बा । प्रदेशभर औद्योगिक क्षेत्रमे प्रवाह हुइल कर्जामध्ये कैलालीके हिस्सा ७८.८७ प्रतिशत ओ कञ्चनपुरके १५.५३ प्रतिशत बा । बाजुरामे औद्योगिक लगानीके हिस्सा ०.५० प्रतिशत किल रहलके प्रतिवेदनमे उल्लेख बा ।

ओस्टेक करके, विपन्न वर्गमे प्रवाह हुइना कर्जाफे घटल क्रममे बा । पछिल्का दुई आर्थिक वर्षमे असिन कर्जा क्रमशः ३०.२२ प्रतिशत ओ ६.०३ प्रतिशतसे घटल बा । गत असार मसान्तसम विपन्न वर्गमे सात अर्ब ५७ करोड रुप्याँ कर्जा प्रवाह हुइल राष्ट्र बैंकके तथ्यांक बा ।

प्रदेशमे बैंक ओ वित्तीय संस्थाके निक्षेप संकलन बह्नटी गिलमेफे उ अनुसार कर्जा लगानी ओ उत्पादनमूलक क्षेत्रमे पहुँच विस्तार हुइना नैसेकल प्रतिवेदन बटैल बा ।

फरार प्रतिवादी पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

दार्चुला, १ अगहन । टमान मुद्दामे फरार रहल चार जाने प्रतिवादी पक्राउ परल बटै ।

फैसला कार्यान्वयनके सिलसिलामे जिल्ला अदालत दार्चुलाक टमान मितिके फैसलासे कैद सजाय तथा जरिवाना ठहर हुके फरार रहल तीन जाने प्रतिवादीहुकनहे जिल्ला प्रहरी कार्यालय दार्चुलासे खटल प्रहरी टोलीसे सोम्मार पक्राउ करले बा । पशुपंक्षी सम्बन्धी कसूर मुद्दामे ५ महिना १४ दिन कैद सजाय तोकल महाकाली न.पा.१ लास्कु बैठना वर्ष ४३ के सुरन राम कामी, वर्ष ३० के तेज राम लुहार ओ वर्ष २८ के जय राम चुनारा रहल बटै ।

ओस्टेक जुवातास मुद्दामे २ महिना २५ दिन कैद सजाय ओ रु.१८ हजार जरिवाना तोकल दुहुँ गाँ.पा.५ दुल्ला बैठना वर्ष ४५ के देव राम पार्की रहल बटै ।

खेलकुद ओ खेलाडीके वृत्ति विकासमे प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध बा : मुख्यमन्त्री भट्ट

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ अगहन । सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री खगराज भट्टसे खेलकुद क्षेत्र ओ प्रतिभावान् खेलाडीके वृत्ति विकासके लग प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध रहल बटैले बटै ।

दशौं राष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगिता छनोट खेलअन्तर्गत डडेलधुरामे सञ्चालन हुइल भलिबल प्रतियोगिताके समापन समारोहमे उहाँसे सुदूरपश्चिमलाहे खेलकुदके 'हब'के रूपमे विकास कैना आवश्यक रहल ओ ओकर लग सबसँगे सहकार्य करल बटैलै ।

मुख्यमन्त्री भट्टसे खेलकुदहे मनोरञ्जन ओ प्रतिस्पर्धामे किल सीमित नैराख्ना पर्यटन प्रवर्द्धन, आर्थिक समृद्धि ओ प्रदेशके पहिचान स्थापित कैना महत्वपूर्ण माध्यमके रूपमे विकास करेकपर्नामे जोड डेलै ।

उहाँसे खेल पर्यटनके माध्यमसे सुदूरपश्चिमहे समृद्ध बनैना योजनाबद्ध पहल ओ पूर्वाधार निर्माणके आवश्यकता बटैलै ।

मुख्यमन्त्री भट्टसे विश्वके ढेर देश खेलकुद ओ खेलाडीके माध्यमसे अन्तर्राष्ट्रिय रूपमे परिचित हुइलके उदाहरण डेहटी सुदूरपश्चिमके पहिचान स्थापित कैना यहाँके खेलाडीसे महत्वपूर्ण भूमिका खेल्टीरहलके बटैलै । उहाँसे स्थानीयस्तरमे नुकल रहल प्रतिभाके पहिचान, विकास ओ प्रोत्साहन करेकपर्ना जोड डेलै ।

"खेलाडीके क्षमता अभिवृद्धि, वृत्तिविकास, खेल पूर्वाधार निर्माण ओ खेलकुद क्षेत्रके संस्थागत विकासके लग प्रदेश सरकारसे आवश्यक सहयोग ओ सहकार्यमे कुछ कसर बाँकी राख्ना नै हो । मिलके खेल क्षेत्रके समग्र विकास करना हम्रे प्रतिबद्ध बटी," मुख्यमन्त्री भट्ट कहलै ।

अन्तरिक्ष नीतिके...

रकेट अनुसन्धानके लाग प्रणोदन, दहन विज्ञान, तापीय व्यवस्थापन, संरचनात्मक विश्लेषण, वायुगतिकी ओ उडान गतिशास्त्रसम्बन्धी ज्ञान फेन महत्वपूर्ण रहठ ।

नेपालके विश्वविद्यालय तथा अनुसन्धान संस्थामे अन्तरविषयक पाठ्यक्रम, अनुसन्धान अनुदान, प्रयोगशाला पूर्वाधार ओ अन्तर्राष्ट्रिय साझेदारी विस्तार करे परठ । विदेशमे अध्ययन तथा अनुसन्धान करटिरहल नेपाली वैज्ञानिक ओ इन्जिनियरके ज्ञानहे स्वदेशी परियोजनासँग जोरना अवसर फेन सिर्जना करे परठ । यीसँगे अन्तरिक्ष वस्तुके दर्ता, प्रक्षेपण अनुमति, सम्भावित क्षति, अन्तरिक्षजन्य फोहोर, तथ्यांक सुरक्षा ओ अन्तर्राष्ट्रिय दायित्वहे सम्बोधन करना कानुनी व्यवस्था आवश्यक बा । रकेट तथा प्रक्षेपणासम्बन्धी अनुसन्धानमे सार्वजनिक सुरक्षा, परीक्षणस्थल, वातावरणीय प्रभाव ओ जोखिम व्यवस्थापनके स्पष्ट मापदण्ड हुइ परठ । नेपाल अन्तरिक्ष एजेन्सीसे सम्बन्धित निकायसँग समन्वय कैके कानुनी तथा प्राविधिक आधार विकास करना सहयोग करे सेकि ।

चरणबद्ध कार्यान्वयन

नेपालसे उपलब्ध स्रोतसाधन ओ प्राविधिक क्षमता अनुसार तीन चरणमे अन्तरिक्ष कार्यक्रम आघे बहे सेकि । पहिल चरणमे राष्ट्रिय नीति निर्माण, विद्यमान क्षमताके मूल्यांकन, संस्थागत जिम्मेवारी निर्धारण ओ विपत् व्यवस्थापन, कृषि, वन तथा वातावरणीय अनुगमन जैसिन क्षेत्रमे तत्काल लाभ डेना परियोजनाहे प्राथमिकता डेहे परठ । विश्वविद्यालयमे अन्तरिक्ष इन्जिनियरिङ तथा रकेट विज्ञानसम्बन्धी अनुसन्धानके अवसर पहिचान करे परठ । दोसर चरणमे विश्वविद्यालय, सरकारी निकाय ओ निजी क्षेत्रबिच अनुसन्धान साझेदारी विस्तार करटि भूउपग्रह तथ्यांक विश्लेषण, छोट भूउपग्रह, सञ्चार प्रविधि, रकेट प्रणोदन ओ परीक्षण प्रणालीसम्बन्धी पूर्वाधार विकास करे सेक्जइ । अन्तर्राष्ट्रिय सहकार्यहे ज्ञान हस्तान्तरण ओ जनशक्ति विकाससँग जोरे परठ । तेसर चरणमे राष्ट्रिय आवश्यकतासे औचित्य पुष्टि करल जटिल प्रविधि तथा परियोजनामे लगानी विस्तार करे सेक्जाइ ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

अन्तर्राष्ट्रिय

सुडानमे ड्रोन आक्रमण, चार बालबालिकासहित १५ जहनके मृत्यु

काठमाडौं, १ अगहन । सुडानके पश्चिम कोर्डोफान राज्यस्थित एक गाउँमे सेनासे करल ड्रोन आक्रमणमे फुटबल खेलटिरहल चार बालबालिकासहित १५ जहनके मृत्यु हुइल बा । अबु कल्ब गाउँमे हुइल आक्रमणमे अन्य कुछ घाहिल हुइल बटैं कलेसे कैयौं घरमे आगलागी हुइल स्थानीय अधिकार अनुगमन संस्था जनैले बा ।

स्थानीय अधिकार अनुगमन संस्था कोर्डोफान अब्जर्भेटरीके अनुसार सेना एक क्षेत्रमे दुईठो ड्रोन प्रहार करले रहे । पहिल प्रहार गाउँके सार्वजनिक चोकमे हुइल रहे, जहाँ बालबालिका फुटबल खेलटि टहैं । दोसर प्रहार स्थानीयके घरमे होके टमान घरमे आगलागी हुइल रहे ।

अपन सुरक्षा जोखिमके कारण नाम सार्वजनिक नैकरना आग्रह करल एक जीवित व्यक्ति सञ्चार अवरोध छल्न स्याटेलाइट इन्टरनेट प्रयोग कैके घटनाबारे जानकारी डेले बटैं । उहाँक अनुसार आक्रमणमे १५ जहनके ज्यान गुमल बा । मरलमध्ये नौ जाने उहाँक आफन्त हरैं । उहाँ युद्धमे यीआघे बुबा गुमाइल दुई बालबालिकासमेत आक्रमणमे मरल बटैले बटैं ।

सुडानी सेना सन् २०२३ के अप्रिलसे जारी युद्धमे अर्धसैनिक द्रुत समर्थन बल (आरएसएफ) के नियन्त्रणमे रहल क्षेत्र पुनः कब्जा करना प्रयासस्वरूप पश्चिम कोर्डोफान राज्यमे प्रत्याक्रमण करले बटैं । ओहे क्रममे गाउँमे आक्रमण हुइल हो ।

सहायता क्षेत्रमे कार्यरत अधिकारीके अनुमानअनुसार सुडानके युद्धमे अभिनसम दुई लाखसे ढेर मनैन्के मृत्यु होसेकल बा । युद्धसे विश्वके भारी भोकमरी ओ विस्थापन संकटसमेत निम्त्यइले बा ।

संयुक्त राष्ट्रसंघ युद्धरत दुनु पक्ष व्यापक रूपमे ड्रोन प्रयोग करटिरहल कटि बारम्बार चिन्ता व्यक्त करटि आइल बा । सन् २०२६ के पहिल छ महिनामे ड्रोन आक्रमणमे एक हजार १०० से ढेर मनैन्के मृत्यु हुइल राष्ट्रसंघ जनैले बा । यी वर्ष हुइल बालबालिकासम्बन्धी सयौं हताहतीमध्ये करिब दुई तिहाइके मृत्यु वा घाहिल हुइनामे ड्रोन आक्रमण जिम्मेवार रहल राष्ट्रसंघ यिहे साता बटैले बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

बदलटी भुरुवा गाउँके परिचय

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ अगहन । कुछ समय बिहान साइकलमे बेर्ना बोकेके गाउँ गाउँ डुल्टी ग्राहक खोजेकपर्ना बाध्यता रहे । घाम नैनिकरलमे घरसे निकरके ओ दिनभर गाउँ चहारके ओ तरकारीको बेर्ना बेच्ना दैनिकी अब्बे फेरल बा । गाउँ गाउँमे लाग्ना हाटबजारसे बजार खोज्टी नेगेकपर्ना बाध्यता हटाइलपाछे कैलालीके बर्दगोरिया गाउँपालिका-५, कोइली भुरुवाके किसानलहे बेर्ना बिक्री करना सहज हुइल बा ।

यहाँके अधिकांश किसानके आम्दानीके एक ठो प्रमुख स्रोत तरकारीके बेर्ना उत्पादन ओ बिक्री बनल बा । सिजन अनुसार टमान जातके तरकारीके बेर्ना उत्पादन कैना ओ कैलालीके टमान बजारमे पुगके बिक्री कैना यहाँके किसानके दैनिकी बनेल बा । थोरचे जमिन ओ पारिवारिक श्रमके उपयोग करटी सुरु रहल बेर्ना उत्पादन व्यवसायसे अब्बे ढेर परिवारके घरखर्चसे छावा छाइके शिक्षादीक्षासम धान्न सहयोग पुगैना बा । उ बेला कोइली भुरुवाके किसानहे बेर्ना बिक्री कैना भ्याइ नैभ्याइ बा । बन्दागोभी, काउली, खुर्सानी, गोलभँडा, भण्टा, प्याज, ब्रोकाउलीलगायत तरकारीके बेर्ना तयार करके बिक्रीके लग बजार पुगैना चटारो उहाँ डेखल बा । तरकारी खेती कैना किसानसे खेतबारीमे रोप्नके लग तयार बेर्ना खरिद कैना हुइलसे इ मागफे



बहटी गिलके स्थानीय किसान बटैलै ।

१५ वर्षसे व्यावसायिक रूपमे तरकारीका बेर्ना उत्पादन करटी आइल बटीन मनिषाकुमारी चौधरीके लग इ व्यवसाय आम्दानीके भरपर्दो माध्यम बनल बा । उहाँसे सात कट्ठा जमिनमे तरकारीके बेर्ना उत्पादनसँगे व्यावसायिक तरकारी खेतीसमेत करटी आइल बटी । बेर्ना बिक्रीसे वार्षिक करिब तीन लाख रुपयाँ आम्दानी हुइना करल करल उहाँसे बटैलै ।

उहाँके अनुसार पहिले बेर्ना बिक्री कैना बिहान साइकलमे गाउँ गाउँ पुगेकपर्ना अवस्था रहे । अब्बे भर पहलमानपुर, सुखड, मसुरिया, बौनिया ओ लम्कीलगायतके ठाउँमे नियमित हाटबजार लाग्न सुरु हुइलपाछे बिक्री कैना सहज हुइल बा । "पहिले पहिले साइकलमे बिहान गाउँ गाउँ डुलके बेर्ना बेच्नु परे । अब्बे ठाउँ ठाउँमे हाटबजार लागठ । उहा बेर्ना लैके गिलपाछे बिक्री कैना सजिल हुइल बा ," उहाँ कहलै, "घरसेफे ढेर बेर्ना बिक्री हुइठ । हाटबजारमे ल्यानलके बेर्नाफे माजा बिक्री हुइना करल बा ।"

बेर्ना बिक्रीसे हुइना आम्दानीसे घरव्यवहार चलैना किल नैहुइ कृषि व्यवसाय विस्तार करना समेत सहयोग पुगलके उहाँके कहाइ बा । यिहीसे व्यवसायसे हुइलके आम्दानीसे आवश्यक कृषि सामग्री खरिद कैना ओ बचत करना सहज हुइल बा । बेर्ना उत्पादनमे डेखल मेहनत ओ निरन्तरताके कारण अपन रानी जमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजनासे एक लाख रुपयाँ अनुदानसमेत पाइलके उहाँ बटैलै । मनिषाके छेउमे बेर्ना बिक्री करटीरहल उहे गाउँके केदार कठरियाफे सात वर्षसे इ व्यवसायमे संलग्न हुइठै । अन्य खेतीपातीसँगे तरकारीके बेर्ना उत्पादन करके बिक्री करके घरखर्च चलैना सहज हुइल उहाँ बटैलै । सुरुमे बजारसे बिउ खरिद करके बेर्ना उत्पादन कैना करल उहाँसे अब्बे अपन बिउ ढारके बेर्ना तयार पार्न सुरु हुइल बा । "पहिल बिउ किनके बेर्ना जमैठी, अहिल अपन बिउ ढारना सुरु हुइल बा । इ बिउ खरिद कैना खर्चफे बचल बा," उहाँ कहलै, "बेर्ना माजा बिक्री हुइठ रु। भारी बचत नैहुइलफे घरखर्च चलेना पुगल बा । अन्य खेतीसँगे इ व्यवसाय करके आम्दानीके औरे स्रोत बनल बा ।"

भुरुवाके सुन्दरी कठरियाफे आठ वर्षसे व्यावसायिक रूपमे बेर्ना उत्पादन करटी आइल बा । खाद्यान्न बालीसँगे तरकारीके बेर्ना उत्पादन करके बिक्री करके मजा आम्दानी हुइना उहाँके अनुभव बा । अब्बे विशेष करके काउली, खुर्सानी, ब्रोकाउली ओ भण्टाके बेर्नाके माग ढेर रहल उहाँ बटैलै । "अब्बे काउली, खुर्सानी, ब्रोकाउली ओ भण्टाके बेर्ना ढेर बिक्री हुइटीरहल बटै । हाटबजारमे ल्यानल बेर्ना प्रायः सब बिक्री हुइजाइठ," उहाँ कहलै । किसानके अनुसार तरकारीके बेर्नाके माग खेती कैना मौसम अनुसार फरक फरक हुइठ । किसानसे समयमे बेर्ना तयार पारेकपर्ना हुइल बिउ छर्ना, स्याहार कैना ओ बजारमे पुगैना कामहे मौसम अनुसार मिलैना परठ । असिन सिजन ओ बेसिजन दुन्हुन लक्षित करके बेर्ना उत्पादन करके बिक्रीके अवसरफे बहल करके किसानके अनुभव बा । कृषि प्राविधिकके अनुसार काउली, बन्दागोभी, ब्रोकाउली, प्याज, गोलभँडा, भण्टा ओ खुर्सानी जस्ते तरकारी नर्सरीमे बेर्ना तयार पारके खेतबारीमे सार्न बाली हो ।

टरटिहार ओराइलपाछे खाली हुइटी गाउँबस्ती

बाजुरा, १ अगहन । डसैँ-डेवारीमे मनै भरिभराउ रहल बाजुराके गाउँबस्ती पुनः खाली हुइल लागल बावै । नेपालीनके महान पर्व डसैँ-डेवारी मनाइ गाउँ आइल परदेशी टरटिहार ओराइलसँगे आपन कर्मथलो जाइ लागलपाछे यहाँके गाउँबस्ती खाली हुइ लागल हो ।

डसैँ मनाइ गैल कुँवारमे गाउँ आइल बटैटी बुढीनन्दाका स्थानीय गोपाल रोकाया टरटिहार ओराइलपाछे कामके खोजीमे फेनसे भारत जाइ लागल बटैलै । उहाँ कहलै, "मै जब फेन अस्टे टरटिहारके समयमे गाउँ अइना ओ ओराइलपाछे कामके खोजीमे परदेश जैना करठु ।"

अपने किल नैहोके यहाँके अन्य दादुभैया फेन टरटिहारके बेला गाउँ अइना ओ ओकरपाछे परदेश जैना करल रोकाया बटैलै । यहाँके बालबालिका फेन डसैँ-डेवारी ओराइलसँगे अध्ययनके लाग धनगढी, महेन्द्रनगर, नेपालगञ्ज ओ काठमाडौँलगायतके सहर जाइ लागल बटै ।

डसैँके बेला घर आइल परदेशी कामके लाग फेनसे भारत जाइ लागलपाछे गाउँमे अब्बे बुढापाका किल बाँकी रहल स्थानीय बटैलै । डाइबाबा कामके खोजीमे परदेश जैना ओ छावाछाइहे पह्राइक लाग सहरके सुविधासम्पन्न ठाउँमे पठैना करलपाछे गाउँमे बुढापाका किल रहल हुइट ।

बेरोजगारीके समस्याके कारण युवा बाहर जाइ लागलपाछे गाउँके जमिन बाँझ हुइटी गैल बावै । पहिले यहाँके युवा किल परदेश जैना करलमे अब्बे महिलासमेत परदेश जाइ लागलपाछे जमिन दिनप्रतिदिन बाँझ बन्टी गैल स्थानीय बटैलै ।

स्थानीय सरकारसे दुर्गम गाउँबस्तीमे समेत सडक पुगैले बटै । घरघरमे खानेपानीके सुविधा विस्तार करल बावै । बालबालिकाहे गाउँमे पठनपाठनके व्यवस्था कैना क्याम्पस तथा प्राविधिक विद्यालयसमेत स्थापना करल बावै ।

कृषि कर्म कैना स्थानीय सरकारसे कृषिसम्बन्धी टमान तालिम सञ्चालन कैटी आइल बावै । मने यहाँके युवा कामके खोजीमे दैनिक भारत जैना क्रम रोकल नैहो ।

स्थानीय सरकारसे युवाके लाग उपयुक्त कार्यक्रम सञ्चालन करे नैसेकल कारण परदेशिन बाध्य हुइ परल त्रिवेणी नगरपालिकाके स्थानीय पदम बुढा बटैलै ।

उहाँ कहलै, "तालिम प्राप्त कैके किल कुछ नैहुइ । उहीहे प्रयोगमे लानक लाग स्थानीय सरकारसे युवाके लाग टमान अनुदानके कार्यक्रमसमेत लाने परल ।"

ओइसीक हुइलेसे किल यहाँके युवाहे आपन सिखल सीपअनुसार व्यवसाय सञ्चालन कैना सहज हुइना बुढा बटैलै ।

डेवारी ओराइलसँगे गाउँसे बाहर जउइयाके संख्या बहटी गैल बाम्का बजारके टिकट काउन्टर इन्चार्ज जनक बुढा बटैलै । उहाँ कहलै, "इ बेला बाजुरासे दैनिक आठ सयसे ढेर युवा बाहर जैना करल बटै ।"

कोल्टी, मार्तडी, बल्दे, बाम्का बजार, बेतालमाण्डौँ ओ डाबबजारलगायतके ठाउँसे दैनिक एक दर्जनसे ढेर बस यात्रु खचाखच हुइना करल बुढा बटैलै ।

ओस्टके, कर्णाली करिडोरअन्तर्गत पीलिचौरसे फेन दैनिक सात गाडीमे दुई सयके हाराहारीमे बाजुराके स्थानीय बाहर जैना करल सुर्खेत-बुलबुले-पीलिचौर काउन्टरके इन्चार्ज भुवन शाही बटैलै ।

यहाँर, युवाहे गाउँमे रोकक् लाग ढेर रकम आवश्यक पर्ना ओ ओइसीन रकम स्थानीय सरकारसँग नैरहल ओरसे गाउँमे रोजगारी डेना समस्या रहल यहाँके स्थानीय तह जनैले बटै ।

गोदावरीके गौशाला अस्तव्यस्त, गोरुनके हेरचाहमे लापरबाही

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ अगहन । कैलालीके गोदावरी नगरपालिका-७, गोलादेवस्थित सामुदायिक वन क्षेत्रमे रहलके गौशालाके व्यवस्थापन कमजोर बनलके कहटी स्थानीयसे आपत्ति जनैले बटै ।

प्रदेश सरकारके लगानीमे निर्माण हुइल ओ गोदावरी नगरपालिकाके संरक्षणमे रहल गौशालामे गोरुनके उचित हेरचाह, आहाराके व्यवस्था ओ नियमित निगरानी हुइना नैसेकल उहाँके आरोप बा ।

गौशालाके व्यवस्थापनमे प्रभावकारी योजना ओ निगरानीके अभाव हुइना गोरुनके पर्याप्त आहारसमेत पाइना नैसेकलके स्थानीयके गुनासो बा । गोदावरीके युवा बिराज विष्टसे गौशालाके व्यवस्थापक यतीराज कँडेलके जिम्मेवारीअनुसार काम नैकरल आरोप लगैलै । व्यवस्थापकसहित हेरचाहके लग कर्मचारी खटाइलमेफे गौशालाके अवस्था दयनीय रहल उहाँके कहाइ बा ।

गौशालामे कार्यरत कर्मचारी भीमबहादुर बमसे व्यवस्थापक तीन महिनासम गौशालामे उपस्थित नैहुइलके दाबी करलै । व्यवस्थापक अन्य कर्मचारीसँगे आवश्यक समन्वय नैकरल ओ कामके विषयमे निर्देशनसमेत नैडेना करल उहाँ बटैलै । औरे कर्मचारी चक्र नागरिका अनुसारफे व्यवस्थापकके भूमिका प्रभावकारी डेखल नै हो । नियमित निगरानी ओ व्यवस्थापनके अभावमे गौशालाके अवस्था बिग्रटी गिलके कर्मचारीके गुनासो बा ।

गौशालामे गोरुनसे पर्याप्त आहारा नैपाइलके स्थानीयके आरोप बा । स्थानीय टिका बमके अनुसार गोरुनसे पराल, भुसा ओ अन्य आवश्यक आहारा पाइ सेकल नै हो । पर्याप्त चारोके अभावमे गोरुन नोनपानीके भरमे बैठेकपर्ना रहलके उहाँके कहाइ बा । गोरुन मर्ना क्रमसमेत नैरोकल कहटी स्थानीयसे चिन्ता व्यक्त करल बटै । मरल गोरुन उचित व्यवस्थापन नैहुइट दुर्गन्ध फैललके साथ सम्भावित रोगके जोखिम बहे सेक्ना उहाँके कहाइ बा ।

यहाँ, गौशालाके व्यवस्थापक यतीराज कँडेल कहलै गौशाला दर्ता नैहुइल कारण व्यवस्थापनमे चुनौती रहलके बटैले बटै । अपने तीन महिनासम गौशालामे अनुपस्थित रहल आरोप झुटो हुइल दाबी करटी उहाँसे गौशालाके अवस्था ओ गतिविधिबारे नगरपालिकाहे समय-समयमे जानकारी करैटी आइल बटैलै ।

हाल गौशालामे चार जाने कर्मचारी कार्यरत बटै । उहाँके तलब गोदावरी नगरपालिकासे उपलब्ध करटी आइल बा । कर्मचारीके तलब नियमित भुक्तानी हुइटीरहलफे गौशालाके व्यवस्थापन ओ गोरुनके उचित हेरचाह हुइ नैसेकल कहटी स्थानीयसे नगरपालिकाके भूमिकाउप्पर प्रश्न उठाइल बटै ।

जुवातास खेल्टी रहल ६ जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १ अगहन । कैलाली धनगढी उ.म.न.पा.७ जोखरताल स्थित वर्ष ३० के उमेश चौधरीके घरमे जुवातास रहल ६ जाने पक्राउ परल बटै ।

गोप्य सूचनाके आधारमे जुवातास खेल्टी रहल अवस्थामे निज उमेश चौधरी समेत ६ जनहनहे सोम्मार साँझ जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे नगद रु.५७ हजार ९२० सहित पक्राउ करले बा । यी सम्बन्धमे प्रहरी अनुसन्धान करटी रहल बा ।

१ लाख ७६ हजारके सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, १ अगहन । कञ्चनपुर जिल्लाके टमान ठाउँसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल रु.१ लाख ७६ हजार ६५० बराबरके सामान नियन्त्रणमे लेहल बा । जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुर मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरी टोली चिनी, पेय पदार्थ, बिडी, साबुन, मिठाई, दाल, स्टिलका भारावर्तन, बोइलर मुरगी, मोटरसाइकल थान-१ लगायतके सामान सोम्मार नियन्त्रणमे लेहल बा ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।





संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)

मो. ९८५८४२३९१२,

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services



सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत

MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९